

512 नवीन इंदरिा रसोइयों का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

18 सितंबर, 2022 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में 512 नई इंदरिा रसोइयों का शुभारंभ किया। इन नवीन रसोइयों के संचालन के बाद प्रदेश में इंदरिा रसोइयों की संख्या बढ़कर 870 हो जाएगी।

प्रमुख बडिु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रदेश के वभिन्न जिलों के इंदरिा रसोई संचालकों को सम्मानति भी किया। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य कर रही सहयोगी संस्थाओं, पैथर एजुकेशन सोसायटी जोधपुर, वदिया जन-जागरण संस्थान धौलपुर, श्रीनाथ शक्तिषण प्रशक्तिषण व स्वास्थय एवं सोशल वेलफेयर सोसायटी रावतसर के प्रतिनिधियों को प्रोत्साहन राशि, मोमेन्टो तथा साफा पहनाकर एवं श्री मानव सेवा समिति भीलवाड़ा, टच स्टोन फाउंडेशन जयपुर तथा मेवाड़ वकिलांग सेवा संस्थान चतितौड़गढ़ के प्रतिनिधियों को प्रशस्त-पत्र एवं मोमेन्टो देकर सम्मानति किया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में स्व. इंदरिा गांधी ने सबसे पहले गरीबों, पछिड़ों एवं वंचितों के कल्याण के लिये 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया था। इसी भाव से आमजन को पूरे सम्मान एवं सेवा भाव के साथ पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिये राज्य सरकार द्वारा 'इंदरिा रसोई योजना' का संचालन किया जा रहा है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि 'कोई भूखा न सोए' के संकल्प के साथ शुरू की गई 'इंदरिा रसोई योजना' के माध्यम से कोरोना काल में 72 लाख लोगों को सरकार द्वारा पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया। कोरोना काल में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिये नि:शुल्क भोजन की भी व्यवस्था की गई।
- इस योजना का लाभ वदियार्थियों एवं श्रमकों सहति सभी वर्ग के लोगों को मलि रहा है। इस योजना के माध्यम से आमजन को मात्र 8 रुपए में पौष्टिक एवं भरपेट भोजन उपलब्ध हो रहा है। सरकार इस योजना में 17 रुपए प्रति थाली अनुदान दे रही है।
- अब तक 358 इंदरिा रसोइयों से 7 करोड़ से ज़्यादा पौष्टिक एवं स्वादषिट भोजन की थालियाँ आमजन को परोसी जा चुकी हैं। 512 नई रसोइयों की स्थापना से इस संख्या को लगभग 14 करोड़ तक पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारति किया गया है। जल्द ही और रसोइयाँ शुरू कर बजट घोषणा के अनुसार इंदरिा रसोइयों की संख्या 1000 की जाएगी।